Rizwan

Package of Practice

Particular	English	Hindi
Crop	**Hot Pepper**	**Hot Pepper**
Season/Region	Kharif as per Truthful Label	दुथफुल लेबल के अनुसार खरीफ
Land preparation	Field should be well prepared free from weeds and well drainage facility. 1-2 deep ploughing, Soil should be exposed to sunlight, 3 to 4 rounds of harrows to reach fine tilt. Before final harrow, apply 8 to 10 MT well decomposed FYM/acre along with 250 gm Trichoderma for controlling soil born fungus.	खेत को खरपतवारों से मुक्त और अच्छी जल निकासी की सुविधा के साथ अच्छी तरह तैयार किया जाना चाहिए। 1-2 गहरी जुताई करें। मिट्टी को धूप में खुला रखें। 3 से 4 बार हैरो चलाएँ ताकि मिट्टी अच्छी तरह से झुक जाए। अंतिम हैरो चलाने से पहले, मिट्टी में पैदा होने वाले फफूंद को नियंत्रित करने के लिए 8 से 10 मीट्रिक टन अच्छी तरह सड़ी हुई गोबर की खाद/एकड़ के साथ 250 ग्राम ट्राइकोडर्मा डालें।
Seed rate & Method	Seed Rate: 80-100 g per acre. Sowing: Prepare the raised bed of 180x90x15cm, for 1acre 10 to 12 beds are required. Nursery should be free from weeds and debris. Line sowing is recommended. Distance between two row: 8-10 cm (4 fingers) apart, Distance between seed to seeds :3-4 cm (2 fingers), Seeds are sown in line at 0.5-1.0 cm deep. Transplanting: Transplanting should be done @ 35-40 days after sowing.	बीज दर: 80-100 ग्राम प्रति एकड़। बुवाई: 180x90x15 सेमी की उठी हुई क्यारी तैयार करें, 1 एकड़ के लिए 10 से 12 क्यारियों की आवश्यकता होती है। नर्सरी खरपतवार और मलबे से मुक्त होनी चाहिए। पंक्तिबद्ध बुवाई की सलाह दी जाती है। दो पंक्तियों के बीच की दूरी: 8-10 सेमी (4 अंगुल) बीज से बीज की दूरी: 3-4 सेमी (2 अंगुल), बीजों को पंक्तिबद्ध रूप से 0.5-1.0 सेमी गहराई पर बोया जाता है। रोपाई: बुवाई के 35-40 दिन बाद रोपाई करनी चाहिए।
Spacing	Spacing: Row to Row and Plant to Plant - 75 x 45 cm or 90 x 45 cm.	दूरी: पंक्ति से पंक्ति और पौधे से पौधे - 75 x 45 सेमी या 90 x 45 सेमी.
Harvest	Full mature firm green fruits starts harvesting at 65-70 days, later at 10 to 15 days intervals. Timely picking stimulates plant to produce more flowers.	पूर्णतः परिपक्व, दृढ़ हरे फलों की तुड़ाई 65-70 दिनों में शुरू होती है, बाद में 10 से 15 दिनों के अंतराल पर। समय पर तुड़ाई करने से पौधे में अधिक फूल आने लगते हैं।
Nutrient Management	Total N:P:K requirement @ 120:60:80 kg per acre. Dose & Timing: Basal Dose: Apply 50% N and 100% P, K as basal dose during final land preparation. Top Dressing: 25% N at 30 days after sowing and 25% N at 50 days after sowing.	कुल नाइट्रोजन: फास्फोरस: पोटेशियम की आवश्यकता 120:60:80 किग्रा प्रति एकड़। मात्रा एवं समय: आधारभूत मात्रा: अंतिम भूमि तैयारी के दौरान 50% नाइट्रोजन और 100% फास्फोरस, पोटेशियम की आधारभूत मात्रा डालें। टाप ड्रेसिंग: बुवाई के 30 दिन बाद 25% नाइट्रोजन और बुवाई के 50 दिन बाद 25% नाइट्रोजन डालें।
Pest & Disease management	For effective Diseases & Pest control use the following Insect and disease solution: Powdery Mildew and Anthracnose - Apply Amistar (200ml/acre), Fruit rot - Apply Kavach @ 400g/acre and for any other diseases apply fungicide as per recommendation from the Department of Agriculture (plant protection) White Fly+Mites - Apply Pegasus @ 250g/acre Spodetara+ Fruit Borer - Apply Cigna @ 250 ml/acre Fruit Borer - Apply Proclaim @ 80g/acre, and for any other Insects apply recommended insecticides.	प्रभावी रोग और कीट नियंत्रण के लिए निम्नलिखित कीट और रोग समाधान का उपयोग करें: पाउडरी फफूंदी और एन्थ्रेक्नोज़ - एमिस्टार (200 मिली/एकड़) का प्रयोग करें, फल सड़न - कवच 400 ग्राम/एकड़ की दर से प्रयोग करें और अन्य रोगों के लिए कृषि विभाग (पौध संरक्षण) की सिफारिश के अनुसार कवकनाशी का प्रयोग करें। श्वेत मक्खी+माइट्स - पेगासस 250 ग्राम/एकड़ की दर से प्रयोग करें। स्पोडेटारा+ फल छेदक - सिग्रा 250 मिली/एकड़ की दर से प्रयोग करें। फल छेदक - प्रोक्लेम 80 ग्राम/एकड़ की दर से प्रयोग करें, और अन्य कीटों के लिए अनुशंसित कीटनाशकों का प्रयोग करें।
Weed Control - Chemicals with doses and timing	Timely weed removal is very important, need based hand weeding can be done to ensure healthy crop.	समय पर खरपतवार निकालना बहुत महत्वपूर्ण है, स्वस्थ फसल सुनिश्चित करने के लिए आवश्यकतानुसार हाथ से निराई की जा सकती है।
Irrigation Schedule	Irrigation Frequency Depends upon - A. Soil type: Light soils need more frequency. Heavy soils needs less frequency. B. Crop stage:Vegetative stage: maintain adequate moisture for development of roots. Flowering & fruiting - frequent and shallow irrigation. Harvesting - gradually reduce irrigation during harvesting. C. Growing season:Summer - requires frequent irrigation. Winter- As against summer season, in winter the irrigation frequency is longer. Rainy - very less frequency depending up on soil moisture.	सिंचाई की आवृत्ति इस पर निर्भर करती है - क. मिट्टी का प्रकार: हल्की मिट्टी में अधिक बार सिंचाई की आवश्यकता होती है। भारी मिट्टी में कम बार सिंचाई की आवश्यकता होती है। ख. फसल अवस्था: वानस्पतिक अवस्था: जड़ों के विकास के लिए पर्याप्त नमी बनाए रखें। पुष्पन और फलन - बार-बार और उथली सिंचाई करें। कटाई - कटाई के दौरान सिंचाई धीरे-धीरे कम करें। ग. उगने का मौसम: ग्रीष्म - बार-बार सिंचाई की आवश्यकता होती है। शीत ऋतु - ग्रीष्म ऋतु की तुलना में, शीत ऋतु में सिंचाई की आवृत्ति अधिक होती है। वर्षा - मिट्टी की नमी के आधार पर बहुत कम बार सिंचाई की आवश्यकता होती है।